बिहार के सौवें साल के मौके पर सबकी जुबां पर सिर्फ एक ही बात 'बढ़ता बिहार, नया बिहार, जय बिहार'

बिहारी पहचान को सलाम

गांधी मैदान में गुरुवार को बिहार शताब्दी वर्ष के मुख्य समारोह का उद्घाटन करते मुख्यमंत्री नीतीश कुमार। साथ में हैं उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी। इस मौके पर राज्यगीत पर मनमोहक प्रस्तुति देते कलाकार। • अरुण अभि/अभिषेक

पटना | हिन्दुस्तान ब्यूरो

बिहारी संस्कृति, संस्कार और पहचान को सलाम। सौवें जन्मदिन पर माटीपुत्रों ने बिहार दिवस मनाकर दुनिया को बताया कि बिहार जाग गया है। बिहारवासी अब हाथ पर हाथ धरे बैठेंगे नहीं, बल्कि अपने हक के लिए लड़ेंगे।

गुरुवार को मुख्य समारोह राजधानी के ऐतिहासिक गांधी मैदान में हुआ जहां अमीर-गरीब, छोटा-बड़ा, सवर्ण-पिछड़ा, हिन्दू-मुसलमान और स्त्री-पुरुष, सबकी जुबां पर सिर्फ एक ही बात 'बढ़ता बिहार, बनता बिहार, उगता बिहार, नया बिहार, जय बिहार'। गांधी मैदान का पूरा आसमान नीले-सफेद गुब्बारों से पट गया। समारोह में मौजूद लोगों के माध्यम से बार-बार यही भावना उजागर होती रही कि नयी पहचान के साथ आगे बढ़ रहा है बिहार। मंच से जब कभी बिहार की अस्मिता, बिहार की पहचान, बिहार के सम्मान और हक की बात हुई, जनसमूह ने तालियों की गड़गड़ाहट और जय बिहार के उद्घोष से उसका समर्थन किया।

समारोह के उद्घाटनकर्ता मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जैसे ही यह कहा कि अब बिहारी कहलाने में गर्व का अहसास होता है, लोग अपने-अपने स्थानों पर खड़े होकर जय बिहार-जागा बिहार के नारे लगाने लगे। उन्होंने बात आगे बढ़ायी- सात साल में हालात बदल गए। अब तो याद भी नहीं रहता कि झारखंड कभी बिहार में था। बिहार अपने सीमित संसाधनों की बदौलत लगातार विकास के पथ पर अग्रसर है। लेकिन, अब हमें विशेष राज्य का दर्जा चाहिए। हर साल 25 हजार करोड़ रुपये की अतिरिक्त मदद चाहिए। हमारा हिसाब सीधा है। अगर टैक्स सबको बराबर लगता है तो हिस्सा भी एक समान मिलना चाहिए।

तालियों की गड़गड़ाहट के बीच मुख्यमंत्री ने दिल्ली में बैठे हुक्मरानों को चेताया- हम शांत नहीं बैठेंगे। हम जाति-मजहब के लिए नहीं, बल्कि बिहार को उसका हक दिलाने के लिए लड़ेंगे। जो लोग हमारे साथ नाइंसाफी करेंगे और खुद चैन से सोना चाहेंगे, ऐसा नहीं होने देंगे, उनकी नींद उड़ा देंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा, मैं कभी अपने काम से संतुष्ट नहीं होता। जब संतुष्ट हो जाऊंगा तो सो जाऊंगा, लेकिन बिहारी हूं, सोऊंगा नहीं, काम करता रहूंगा, बिहार के हक की लड़ाई लड़ता रहूंगा। उन्होंने कहा कि जिस तरह हमें हिन्दुस्तानी होने पर गर्व है, उसी तरह बिहारी होने पर नाज।

उन्होंने बिहारवासियों का आह्वान किया कि आप अपना जोश बनाए रखें, हम आप सबके सहयोग से इतना खूबसूरत, बेहतरीन और विकसित बिहार बनाएंगे कि सदैव हमारा सिर गर्व से ऊंचा रहेगा।

उन्होंने जोर देकर कहा कि हम किसी के बहकावे में नहीं आएंगे। उन्होंने समाज में साम्प्रदायिक सद्भाव, जातीय सौहार्द और एकजुटता बनाए रखने की अपील की। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार दिवस आज होली, दशहरा, दिवाली, छठ और ईद जैसा उत्सव बन गया है। बिहारी पहचान हमें ऊंचाइयां प्रदान करेगी।

बिहार 100 के आगे

बिहार शताब्दी वर्ष

- बिहार के साथ भेदभाव करने वालों की नींद उड़ा देंगे : नीतीश
- जोश और उत्साह के साथ शुरू हुआ बिहार दिवस समारोह